679

RJ-04

December - Examination 2018

B. A. Pt. II Examination

मध्यकालीन राजस्थानी पद्य

Paper - RJ-04

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : ओ पेपर खण्ड 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ो है। खंड 'अ' मांय साव छोटा सवाल, खंड 'ब' मांय छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबंधात्मक सवाल दियोड़ा है। हरेक खंडरै आगै दियोड़ा निर्देसां मुजब आपरा पडूत्तर देवो।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

निर्देश : इण खण्ड रा सगळा सवालां रो उथओ देवणो जरूरी है। सबद सीमा 1 सबद, 1 वाक्य या घणकरा 30 सबद है। हरेक सवाल 2 अंक रौ है।

1) (i) राजिया रो असली नांव कांई हो?

(ii) किरपाराम जी रै पिताजी रो कांई नांव हो?

(iii) जांभोजी किसो संप्रदाय थरपियो?

(iv) 'दादूपंथ' रा प्रचारक कुण हा?

(v) सहजोबाई रा गुरू कुण हा?

(vi) 'हालां–झालां रा कुण्डलियां' रा रचनाकार कुण हा?

(vii) 'क्रिसन–रूक्मणी री वेलि' किण री रचना है?

(viii) 'रुक्मणी हरण' किण कवि री रचना है?

(ix) 'ढोला–मारू रा दूहा' किण बिधा री रचना है?

(x) 'जेठवा–अजळी' मांय किण री अभिव्यक्ति हुई है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

निर्देश : नीचै लिख्या सवालां सूं कोई चार सवाल करणा है। सबद सीमा 200 सबद है। हरेक सवाल 10 अंक रौ है।

2) बांकीदास रो जीवन–परिचै देवो।

3) राजस्थानी लोककाव्य परंपरा रो परिचै करो।

4) भगतकवि पृथ्वीराज राठौड़ रो परिचै दो।

5) 'सूर छत्तीसी' अर 'वीर विनोद' रचनावां रो परिचै दो।

6) 'द्रौपदी–विनय' री काव्य चेतना माथै आपरा विचार राखो।

7) सहजोबाई गुरु–महिमा सारू कांई बतावै?

8) राजस्थानी आख्यान काव्य को परिचै देवो।

9) 'वैण सगाई' अलंकार रो परिचै अर भेद लिखो।

(खण्ड – स) **2 × 20 = 40**

निर्देश : नीचै लिख्या सवालां मांय सूं दो सवाल करणा है। सबद सीमा 500 सबद है। हरेक सवाल 20 अंक रौ है।

10) 'जेठवा–अजळी' काव्य री भावपख अर कला परव रै आधार माथै समीक्षा करो।

11) राजस्थान रा खास–खास संत संप्रदाया रो परिचै करावो।

12) नीति काव्य परंपरा मांय 'राजिया रा दूहा' वी कांई ठौड़ है?

13) सहजोबाई रै काव्य री विसेसतावां री विरोळ करो।